(2) **कुष्ठ रोग** : पता लगाए गए रोगियों का सर्वेक्षण करना और रोगियों द्वारा अपने को स्वयं सूचित कराना इस कार्यक्रम का मुख्य कार्य है । देश में अनुमानत: 39.6 लाख कुष्ठ रोगियों में से 31-3-1985 की स्थिति के अनुसार 32.7 लाख रोगियों को रिकार्ड किया गया है ।

(3) **क्षय रोग** : नमूना सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 1.5 प्रतिशत जनसंख्या रेडियोलाजिक एक्टिव तीव्र क्षय रोगों से ग्रस्त है । पिछले तीन वर्षों के दौरान पता लगाए गए नये रोगियों और इलाज किए गए रोगियों की संख्या इस प्रकार है :—

1982-83 . . .	10.81
1983-84 . . .	12.08
1984-85 . . .	12.54

(4) **रति रोग** : 1982-84 के दौरान एस. टी. डी. क्लीनिकों में देखे गए और इलाज किए गए रोगियों की संख्या नीचे दी गयी है :—

1982 . . .	457414
1983 . . .	479599
1984 . . .	919085

(5) **बहरापन और अरक्तता** : बहरेपन और अरक्तता के कोई रिकार्ड अलग से नहीं रखे जाते हैं ।

(ख) दृष्टिहीनता, कुष्ठ, क्षय रोग और रक्ति रोगों की समस्याओं पर काबू पाने के लिए भारत सरकार ने राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उनमूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम और सम्भोग जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किये हैं ।

दिल्ली परिवहन निगम द्वारा टायरों और ट्यूबों की खरीद

136. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव** : क्या **परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली परिवहन निगम द्वारा किस-किस किस्म के कितने-कितने टायर और ट्यूब खरीदे गए तथा इसी अवधि के दौरान कितने पुराने बेच दिये गए तथा कितने गायब पाये गए;

(ख) क्या यह सच है कि पुराने टायरों को रिसोलिंग करवा कर उन्हें खरीदा गया था ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में कितने व्यक्तियों को दोषी पाया गया ?

जल-भूतल परिवहन विभाग में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान, प्रत्येक वर्ष के सामने दिखाई गई मात्रा के अनुसार खरीदे गए नए टायरों और ट्यूबों का विवरण निम्नलिखित है :—

वर्ष	टायरों की संख्या	ट्यूबों की संख्या
1983-84	31835	37667
1984-85	18287	19243
1185-86	23288	313383

पिछले तीन वर्षों के दौरान बेचे गए स्क्रैप टायरों का विवरण ■

वर्ष	टायरों की संख्या (900×20)
1983–84	44143
1984–85	14997
1985–86	33758

वर्ष 1984-85 के दौरान 1.5 लाख रु. मूल्य की 727 ट्यूबों की चोरी हुई ।

वर्ष 1985-86 के दौरान 49651.59 रु. मूल्य के 16 टायरों की कमी का पता लगाया गया ।

(ख) और (ग) निगम नए टायर और ट्यूब टायर सीधे कम्पनियों से ही खरीद रहा है और रिट्रीड (सोल चढ़े हुए) टायरों को खरीदने की संभावनाएं पूर्णतः समाप्त कर दी गयी है ।

दिल्ली परिवहन निगम द्वारा खरीदे गये चैसिस और उपस्कर

137. **श्री हुक्मदेव नारायण यादव** : क्या परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दिल्ली परिवहन निगम द्वारा कितने मूल्य के नये पुर्जे, उपस्कर और चेसिस खरीदे गए तथा पुराने सामान को बेच कर कितनी धनराशि वसूल की गई; और

(ख) सामान में हेरा-फेरी करने, चोरी करने और भ्रष्टाचार करने पर विभिन्न श्रेणी के कितने-कितने व्यक्तियों को पकड़ा गया और उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई ?

जल-भूतल परिवहन विभाग में राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) अपेक्षित सूचना निम्नलिखित है:--

शीर्ष	1983–84 (लाख रु०)	1984–85 (लाख रु०)	1985–86 (लाख रु० अनन्तिम)
1. स्टोर्स और पुर्जे	647.66	717.83	701.37
2. टायर ट्यूब और फ्लेप	804.70	504.11	767.19
3. टायर रिट्रीडिंग सामग्री	141.97	112.92	165.96

दिल्ली परिवहन निगम ने 1983-84 में 500, 1984-85 में 532 और 1985-86 में 202 चेसिस खरीदे । कुल खर्च क्रमशः 772.35 लाख रुपए, 869.53 लाख रुपए और 453.71 लाख रुपए था ।